www.avadhkaawaz.com

अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

वर्ष–9 अंक–246 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ मंगलवार 5 जनवरी 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

भारत में दुनिया का सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम होगा शुरूः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने औषधि नियामक द्वारा दो टीकों के सीमित आपात इस्तेमाल को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद सोमवार को कहा कि देश में कोरोना वायरस को काबू करने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू होने वाला है। उन्होंने 'भारत में निर्मित' टीकों के लिए वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश को उन पर गर्व है। मोदी ने कहा, ''भारत में दुनिया का सबसे बड़ा कोविड–19 टीकाकरण कार्यक्रम शुरू होगा। इसके लिए, देश को अपने वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों के योगदान पर गर्व है।'' मोदी ने राष्ट्रीय माप पद्धति सम्मेलन में वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि 'भारत निर्मित'' उत्पादों की न केवल वैश्विक मांग हो, बल्कि उनकी वैश्विक स्वीकार्यता भी हो। उन्होंने कहा, ''किसी उत्पाद की गुणवत्ता उसकी मात्रा जितनी ही महत्वपूर्ण है। 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाने के साथ–साथ हमारे मानक भी ऊंचे होने चाहिए।'' उल्लेखनीय है कि भारत के औषधि नियामक ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड कोविड–19 टीके 'कोविशील्ड' और भारत बायोटेक के स्वदेश में विकसित टीके 'कोवैक्सीन' के देश में सीमित आपात इस्तेमाल को रविवार को मंजूरी दे दी, जिससे व्यापक टीकाकरण अभियान का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

ऑटो ड्राइवर से लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। डीसीपी साउथ ईस्ट आरपी मीणा ने बताया कि हजरत निजामुद्दीन थाने की पुलिस टीम पेट्रोलिंग पर थी। इस दौरान देखा कि ट्रैफिक पुलिस स्टाफ व एक ऑटो ड्राइवर दो लोगों का पीछा कर रहे हैं। जिसके बाद दोनों आरोपियों को पकड़ा गया। वहीं शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसे सर्जिकल ब्लेड दिखाकर 500 रुपये लूटकर दोनों आरोपी भाग रहे थे। जिसके बाद ट्रैफिक पुलिस की मदद से उनका पीछा किया गया। आरोपियों की पहचान राशिद और नौशाद के रूप में हुई। जिसके बाद संबंधित थाराओं में मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि उनके पास कोई काम नहीं था। उन्होंने जल्द पैसा कमाने के लिए आपराधिक वारदात को अंजाम देना शुरू किया। गिरफ्तार आरोपी राशिद सराय काले खां नई दिल्ली का रहने वाला है। वहीं नौशाद निजामुद्दीन इलाके का रहने वाला है। इसके ऊपर पहले से एक मामला दर्ज है। फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है।

आयुर्वेद चिकित्सकों को ऑपरेशन की मंजूरी का विरोध करने वालों पर आता है तरसः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (वेबवार्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले दिनों कुछ चिकित्सकों ने विरोध किया था कि आयुर्वेद के लोगों को ऑपरेशन करने की इजाजत क्यों दी जा रही है। मुझे उनकी बुद्धि पर तरस आ रहा था। इस धरती का पहला सर्जन आयुर्वेद का ही था और आयुर्वेद ने ही ये सर्जरी की विधा को दिया है, उन्हें यह बताया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लेकिन, आयुष मिशन के साथ जुड़े हुए चाहे वह आयुर्वेद हो, यूनानी हो या होम्योपैथिक हो इन परम्परागत चिकित्सा पद्धति से जुड़े लोगों ने विगत कई सदियों से कोई भी नया शोध करने का प्रयास नहीं किया। इन्होंने अपने महत्व को आगे बढ़ाने का प्रयास नहीं किया। इसलिए ये एलोपैथ की तुलना में पिछड़ गए।

मुख्यमंत्री सोमवार को अपने सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयुष विभाग के नव चयनित 1,065 आयुर्वेद–होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 142 योग वैलनेस सेंटर का उद्घाटन तथा उत्तर प्रदेश आयुष टेलीमेडिसिन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में लखनऊ के अतिरिक्त अन्य जनपदों के एनआईसी में उपस्थित नव चयनित आयुर्वेद होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों–जिलाधिकारियों के माध्यम से नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि परम्परागत चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि हम लोग केवल दूसरों द्वारा जो सब्जबाग दिखाए जाते हैं, प्रचार किए जाते हैं उसके पीछे भागते हैं। जितनी व्यापक संभावनाएं हैं, उस पर ध्यान नहीं देते।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वास्तव में आयुष मिशन भारत की परम्परागत चिकित्सा पद्धति को प्रेरित और प्रोत्साहित करने का बहुत अच्छा माध्यम है। कोरोना कालखंड में तो लोगों को भारत की परम्परागत चिकित्सा विधा के बारे में सोचने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि एक वर्ष पहले जब किसी के घर में कोई मेहमान आता था और उससे चाय, पकवान आदि के बारे में नहीं पूछा जाता था, तो वह उसमें नाराजगी देखने को मिलती थी। अगर तब काढ़ा के बारे में चर्चा भी कर दी जाती थी तो माना जाता था कि उस व्यक्ति की सोच बहुत पुरानी है। लेकिन, आज कोरोना ने हम सभी को जब बचाव का एक मौका दिया तो कहीं भी चले जाइए, घर से लेकर निजी संस्थान, विद्यालय से लेकर विश्वविद्यालय, ग्राम पंचायत की बैठक से लेकर नीति आयोग की मीटिंग तक, हर स्तर पर आजकल चाय, कॉफी और अन्य कुछ नहीं सबसे अधिक मांग आयुर्वेद के काढ़ा की हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह काढ़ा आयुर्वेद की पद्धति में आज से नहीं, हजारों वर्षों पहले से उपयोग किया जाता रहा है। ऋतु परिवर्तन के साथ इसका सेवन करने की

प्रेरणा प्राचीन काल से ही है। खासतौर पर तुलसी का काढ़ा तो हर सामान्य घर में उपयोग किया जाता है। तुलसी के सूखने पर भी उसकी पत्तियों को सुरक्षित रखते हुए लोग इसका सेवन करते हैं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के बारे में तो प्राचीन काल से ही घर–घर में दादी के नुस्खे के नाम पर हम इसका उपयोग करते रहे हैं और यह आज भी हर परिवार किसी ना किसी रूप में इसका उपयोग करता है। उन्होंने कहा कौन भारतीय होगा जिसके घरों में हल्दी, हींग और अदरक का उपयोग नहीं होता हो। इनके औषधीय गुणों के कारण भारतीय प्राचीन काल से इनका उपयोग करते आए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमारे पूर्वज इनका इस्तेमाल करते थे, तो दुनिया हमें पिछड़ा मानती थी। आज जब दुनिया की जान में आफत पड़ी तो वह भी इसकी मांग कर रही है। इस समय दुनिया में सबसे अधिक मांग भारत के काढ़े की हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा हम अपने आयुर्वेद और आयुष मिशन की कीमत को समझें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री बनने के बाद आयुष मिशन को एक अभियान के रूप में लिया और आयुष मंत्रालय का गठन करते हुए इस विधा के प्रोत्साहन के लिए अनेक प्रकार के कार्यक्रम पूरे देश के अंदर प्रारंभ किए। इसके साथ ही देश का पहला आयुष विश्वविद्यालय भी दिल्ली के अंदर बनाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 142 योग वेलनेंस केन्द्रों का शुभारम्भ किया जा रहा है। यहां पर हमने योग प्रशिक्षक को 27,000 रुपये और उनके सहायक को 10,000 रुपये मासिक देने की प्रक्रिया प्रारंभ की है। इसको व्यवसाय ना बनाकर एक मिशन मोड में लेकर चलें। उन्होंने कहा कि इनके कार्यों की समीक्षा होगी और समीक्षा के अनुसार इनके कार्यकाल को आगे बढ़ाने का कार्य होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वहीं जिन आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारियों की तैनाती हो रही है, वह इसको केवल सरकारी नौकरी मानकर औपचारिकताएं बंद कर दें। उन पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। केन्द्र और प्रदेश सरकार ने उन पर बहुत बड़ा विश्वास किया है। कई वर्षों के बाद लगभग 1,100 चिकित्सक एक साथ आ रहे हैं। आयुर्वेद और होम्योपैथी दोनों क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं हैं, इस पर कार्य किया जाए। जब तक किसी कार्य को मिशन मोड पर नहीं लिया जाए तो जीवन में भले ही कोई स्थान प्राप्त कर लिया जाए, लेकिन इसके बाद की स्थिति भयावह होती है। एक चिकित्सा अधिकारी के रूप में नवनियुक्त अधिकारी अपने फील्ड में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे, शासन की इसे उम्मीद है।

अध्यक्ष पद पर मनोनीत होने के उपरान्त 12 से अधिक बार गिरफ्तार किया गया - मुकेश सिंह चौहान

अवध की आवाज

लखनऊ । महानगर अध्यक्ष पद पर आज एक वर्ष पूरा होने पर अपनी उपलब्धियों को साझा करते हुए महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान ने बताया कि 24 दिसम्बर 2019 को अध्यक्ष पद पर मनोनीत होने के उपरान्त जनवरी माह 2019 में सीएए/एनआरसी के विरोध में आन्दोलन को राजधानी

श्री मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि इस एक वर्ष में सरकार की नाकामियों और जन विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष करते हुए योगी सरकार के इशारे पर पुलिस द्वारा उन्हें दर्जनों बार लगभग 12 से अधिक बार गिरफ्तार किया गया। संघर्ष की इसी कड़ी में पुलिस द्वारा उन्हें तीन दिन के लिए जेल भेजा गया। महानगर अध्यक्ष में खड़ा किया वहीं फरवरी माह में केन्द्र सरकार के जनविरोधी बजट के विरोध में धरना–प्रदर्शन किया। केन्द्र सरकार द्वारा अनु0जाति जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को सुनियोजित तरीके से खत्म करने के विरोध में परिर्वतन चौक से जीपीओ तक पदयात्रा कर विरोध किया। डीजल एवं पेट्रोल के दामों में हुई वृद्धि के विरोध में आन्दोलन किया। उन्होने बताया कि लॉक डाउन के दौरान लगभग पांच लाख लोगों तक भोजन–पानी और मास्क, सेनिटाइजर पहुंचाने का कार्य महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ पूरे लॉकडाउन में सम्पादित कराया। हाथरस की बेटी को न्याय दिलाने के लिए लगातर 29 सितम्बर से चार अक्टूबर तक आन्दोलन किया और पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गये। किसानों की समस्याओं को लेकर किसान संगठनों के बंद के समर्थन में लखनऊ की प्रमुख बाजारों को बन्द करवाने, किसान बिलों को वापस लेने हेतु सांसदों एवं विधायकों के घरों पर ताली–थाली बजाकर विरोध दर्ज कराने के साथ ही कानपुर में हुए पुलिस अधिकारियों की हत्या पर विरोध प्रदर्शन सहित सैंकड़ों आन्दोलन एवं विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इसके साथ ही संगठन को मजबूत बनाने हेतु वार्ड प्रभारियों की नियुक्ति, वि0स0 प्रभारियों की नियुक्ति के साथ ही संगठन सृजन अभियान के तहत विधानसभावार वार्डों में बैठकें कर बूथ स्तर तक संगठन का गठन एवं मजबूत बनाने हेतु अनवरत कार्यक्रम किये जा रहे है। कांग्रेस पार्टी का संघर्ष जनहित एवं किसानों के हितों को लेकर जारी रहेगा।

हकीकुल्लाह चौधरी महाविद्यालय घारीघाट गोंडा में डीएलएड छात्रों का विदाई समारोह हुआ संपन्न

अवध की आवाज मोहम्मद खालिद

खोड़ारे गोण्डा। हकीकुल्लाह चौधरी महाविद्यालय धारी घाट गोंडा के छात्र छात्राओं ने विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम एल एड सेकंड सेमेस्टर के छात्र मोतीलाल वर्मा, राजन गुप्ता, पवन जयसवाल ममता शुक्ला, रुचि शुक्ला ,पूजा जयसवाल ,सौरभ प्रियदर्शनी आदि ने मिलकर डीएलएड चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र छात्रो ने अध्यापकों को सम्मानित किया तथा मिष्ठान मिष्ठान वितरण के बाद एक दूसरे से सहसंबंध विदाई ली कार्यक्रम के समन्वयक डॉ प्रमोद कुमार दुबे तथा समस्त स्टाफ ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की और ढेर सारी शुभकामनाओं के साथ विदा किया।

में छात्र–छात्राएं एक दूसरे को सच्चे दिल से नववर्ष की शुभकामनाएं एवं विदाई देकर सम्मानित किया,। विदाई में छात्र–छात्राओं की आंखें नम हो गई ,कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के डीएलएड विभागाध्यक्ष डॉ प्रमोद कुमार दुबे ,डॉ प्रभाकर पांडेय ,धर्मेंद्र गौड़ शिव कुमार मौर्य, शिव शंकर यादव दिनेश वर्मा , कार्यालय अध्यक्ष एजाज अहमद ,उमेश गुप्ता विनोद कुमार यादव, तिलकराम ,मनोज कुमार आदि उपस्थित उपस्थित रहे। डी छात्राओं को विदाई दिया डीएलएड चतुर्थ सेमेस्टर में उपस्थित छात्र – छात्राओं में अजय जयसवाल, रवि मिश्रा ,अशोक मंजू ,मोहम्मद सैफ उपासना, मंजू, शालिनी ,अमिता ,स्नेह लता आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उपासना ने किया ,इस कार्यक्रम के दौरान छात्र छात्राओं ने मिलकर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, कार्यक्रम के दौरान विभिन्न ने बच्चों ने भिन्न– भिन्न प्रकार की प्रस्तुति कर अध्यापकों का दिल जीत लिया, कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में छात्र–

ओमप्रकाश राजभर के आह्वान पर जुटे सुभासपा के सिपाही

अवध की आवाज मोहम्मद खालिद

खोड़ारे गोंडा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया

ओमप्रकाश राजभर के निर्देश पर गोंडा के गौरा विधानसभा क्षेत्र के औसानी बुजुर्ग में समीक्षा बैठक आयोजित हुई बैठक के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र राजभर तथा प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद राजभर का कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया कार्यक्रम का संचालन रामफेर राजभर ने किया बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र राजभर ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को एक दूसरे के कंधे से कन्धा मिलाकर काम करने की जरूरत है तथा आगामी विधानसभा चुनाव तक हमारे कार्यकर्ताओं को खामोश नहीं रहना है बल्कि अपने अपने क्षेत्र में जन संपर्क तथा पार्टी मुखिया ओमप्रकाश राजभर के नीतियों के बारे में लोगों को जागरूक करना है समीक्षा बैठक में विधानसभा अध्यक्ष उमाशंकर राजभर, रजिया बानो रीता देवी राजभर, नरसिंह राजभर, नन्हे राजभर, रामफेर राजभर, राम निवास राजभर, अर्जुन राजभर,बंटी सिंह, राम बचन राजभर, भोला राजभर पुजारी राजभर,अंशुल शेखर शुभम श्रीवास्तव, सहित दजनों कार्यकर्ता मौजूद रह।

बाल भिक्षावृत्ति जागरूकता अभियान जनपद उन्नाव

अवध की आवाज गुड्डू मिश्रा

उन्नाव। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक महिला बाल सुरक्षा संगठन उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेश दिनांक 26 दिसंबर 2020 से बाल भिक्षावृत्ति

उन्मूलन हेतु 15 दिवसीय जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उक्त क्रम में दिनांक 4 जनवरी 2021 को जनपद उन्नाव में पुलिस अधीक्षक महोदय के कुशल निर्देशन व श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय एवं श्रीमान क्षेत्राधिकारी महोदय नगर के मार्गदर्शन में टीम में उपस्थित डॉक्टर गोपी कृष्ण तिवारी, बाल संरक्षण समिति अध्यक्ष श्री वरुण पाठक, बाल संरक्षण कार्यालय थाना एएचटीयू से उपनिरीक्षक श्री शिव शंकर तिवारी, हेड कांस्टेबल सियाराम गौतम, महिला आरक्षी पूजा, महिला आरक्षी नेहा शुक्ला ने रेलवे स्टेशन उन्नाव थाना जीआरपी/आरपीएफ मय स्टाफ के साथ सम्मिलित होकर सघन चेकिंग की गई। बस स्टैंड, हनुमान मंदिर लखनऊ बाईपास, थाना अचलगंज तिराहा से मां मनोकामना मंदिर, शनि देव मंदिर, अचलगंज तिराहा, गदन खेड़ा बाईपास तथा थाना अचलगंज क्षेत्र में सघन चेकिंग व जागरूकता अभियान चलाया गया।

एक किलो तीन सौ ग्राम गांजा के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अवध की आवाज गुड्डू मिश्रा

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल निर्देशन

एवं श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव व श्रीमान क्षेत्राधिकारी महोदय नगर के कुशल पर्यवेक्षण में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली सदर पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को 01 किलो 300 ग्राम नाजायज गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया। दिनांक 04.01.2021 को उ0नि0 बृजेश कुमार सिंह मय हमराह फोर्स द्वारा शेखपुर रोड से अभियुक्त सरवन सोनकर पुत्र मुन्ना सोनकर उम्र करीब 28

वर्ष नि0 हफीजाबाद बनकटा थाना कोतवाली सदर जनपद उन्नाव को 01 किलो 300 ग्राम नाजायज गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना कोतवाली सदर पर मु0अ0सं0 07/21 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया है तथा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

भाजपा काल के निर्माण कार्य हों या कृषि कानून, सभी जानलेवाः रामगोविंद चौधरी

लखनऊ, (वेबवार्ता)। नेता प्रतिपक्ष, उत्तर प्रदेश रामगोविंद चौधरी ने सोमवार को यहां कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासनकाल में हुए निर्माण हों या तीनों नए कृषि कानून, सभी जानलेवा हैं। इनसे जान बचाने के लिए जरूरी है कि इनके कार्यकाल में हुए सभी निर्माणों की प्रयोग से पहले उच्चस्तरीय जांच हो और तीनों नए कृषि कानून तत्काल वापस हों।

गाजियाबाद में नवनिर्मित छत की भेंट चढ़ गए चौबीस लोगों के निधन पर शोक प्रकट करते हुए नेता प्रतिपक्ष, रामगोविंद चौधरी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के नेता केवल जुमले बाजी और नफरत की आग को हवा देना जानते हैं। सत्ता में आने से पहले इसी के बल पर ये लोग लोगों को भरमाकर धन लेते रहे हैं और मौज करते रहे हैं। इसी के बल पर ये लोग सत्ता में भी आ गए।

उन्होंने कहा है कि सत्ता में आने के बाद भी ये लोग अपनी पुरानी आदत कायम रखे हुए हैं। इन्हीं आदतों की देन है, गाजियाबाद की हृदय विदारक घटना जिसमें 24 लोगों की असमय जान चली गई। इसी आदत के परिणाम हैं, तीनों नए कृषि कानून जिसमें उत्तर प्रदेश के कश्मीर सिंह सहित पचास किसान शहीद हो चुके हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि देश और प्रदेश के लोगों की जान बचाने के लिए जरूरी है कि इन लोगों के पुराने धंधों की व्यापक जांच हो, खास तौर से भीड़ हत्या और नरसंहार जैसे मामलों की। उन्होंने कहा कि ये जांच परिणाम आने के साथ ही निमार्ण के नाम पर मौत देने वाली इस सरकार के अगुआ और अम्बानी–अडानी को खेती बारी और किसानी सौंपने वाले कृषि कानूनों के अगुआ वहां होंगे, जहां कानून से खेलने वाले को होना चाहिए।

रामगोविंद चौधरी ने कहा कि गाजियाबाद के घटिया निर्माण में 24 लोगों की मौत की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री और नगर विकास मंत्री स्वयं ग्रहण करें और इसकी जांच तक अपने को अपने अपने पदों से विरत रखें। इसी प्रकार कृषि कानून को लेकर यूपी के कश्मीरा सिंह समेत 50 किसानों की शहादत की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री स्वयं ग्रहण कर अपने अपने पद से विरत होने की घोषणा करें। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री, भारत सरकार के कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री ने असमय हुई इन मौतों के मामलों में अपनी अपनी जिम्मेदारी स्वयं ग्रहण कर अपने अपने पदों से विरत रहने की घोषणा नहीं की तो लोग इसे कबूल करने और इस्तीफा देने की मांग करने लगेंगे जो इन मर्यादित पदों के लिए अच्छी स्थिति नहीं होगी।

बलिया के सीएमओ डॉ. जितेन्द्र पाल की कोरोना संक्रमण से मौत

बलिया, (वेबवार्ता)। बलिया के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. जितेंद्र पाल सिंह की सोमवार को कोरोना संक्रमण से मौत हो गई। उनका उपचार लखनऊ के एसजीपीजीआई में चल रहा था। इसी के साथ जिले में कोरोना से मरने वालों की संख्या 102 हो गई है। महामारी रोग प्रभारी डॉ. जियाउल हुदा ने बताया कि 25 दिसम्बर को सीएमओ डॉ. जितेन्द्र पाल की सैम्पलिंग हुई थी। 26 दिसम्बर को उनकी कोरोना जांच की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद चिकित्सकों ने उन्हें 28 दिसम्बर को एसजीपीजीआई के लिए रेफर किया था। जहां सोमवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उल्लेखनीय है कि बीते साल मार्च में गोरखपुर निवासी डॉ. जितेंद्र पाल की तैनाती बलिया में हुई थी। इसके पूर्व वे कुशीनगर में वरिष्ठ चिकित्सक के पद पर कार्यरत थे। कम समय में ही वे कर्मचारियों और जिले के लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो गए थे। सीएमओ डॉ. पाल के निधन से स्वास्थ्य विभाग में शोक की लहर है। स्वास्थ विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिला विद्यालय निरीक्षक भाष्कर मिश्र जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के तौर पर लखनऊ रवाना हो गए हैं।

बैंक लूट में शामिल अभियुक्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

अभियुक्त पर 50 हजार का था इनाम, बाइक, तमंचा के साथ 6 लाख रु. बरामद

आगरा, (वेबवार्ता)। इंडियन ओवरसीज बैंक लूट में शामिल बदमाश बंटी से सोमवार सुबह रोहता चौराहे पर पुलिस की मुठभेड़ हो गई। जिसमें बदमाश गोली लगने से घायल होकर सड़क पर गिर गया। उसका साथी मौके से भाग गया। घायल बदमाश को पुलिस ने गिरफ्त में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। इस दौरान पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। एसएसपी बबलू कुमार और एसपी सिटी बोत्रे रोहन प्रमोद भी मुठभेड़ स्थल पहुंच गए। एसएसपी बबलू कुमार ने बताया कि पिछले महीने इंडियन ओवरसीज बैंक शाखा सदर से तकरीबन 57 लाख रु की लूट हुई थी। लूट में बैंक के एक कर्मचारी के साथ अन्य पांच लोगों के नाम सामने आए। पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। इसी लूट में शामिल 50 हजार के इनामी बदमाश नरेंद्र और बंटी की पुलिस तलाश कर रही थी। नरेंद्र को गुरुवार को मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार किया था, तब बंटी वहां से भागने में सफल रहा था। आज सुबह रोहता चौराहे पर पुलिस से उसकी मुठभेड़ हो गई। जिसमें बंटी के पैर में गोली लगी और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस दौरान बदमाश का एक साथी भी फरार हो गया। घायल बदमाश और पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। बदमाश के पास से एक बैग, अवैध असला और मोटरसाइकिल बरामद हुई है। बैग में लगभग छह लाख की नगदी है।

अखिलेश यादव की सफाई बोले, हमने वैक्सीन को लेकर वैज्ञानिकों पर नहीं उठाए सवाल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इवेंट मैनेजमेंट करती है और दिखावटी काम करती है। हमने कोरोना वैक्सीन को लेकर विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों पर कोई सवाल नहीं उठाए थे। सवाल भाजपा के फैसलों पर है। भाजपा सरकार ने अभी तक जो भी फैसले किए हैं, उससे जनता को नुकसान हुआ है। जनता को भाजपा सरकार पर भरोसा नहीं है। सरकार से हमारा सवाल है कि गरीबों को वैक्सीन कब मिलेगी। उन्होंने पूछा कि एक साल में, दो साल में या तीन साल में...। उन्होंने पूछा कि वैक्सीन गरीबों को मुफ्त मिलेगी या नहीं? सपा प्रदेश मुख्यालय पर समाजवादी व्यापार सभा की बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि वाट्स एप से लेकर अखबारों और अन्य स्थानों पर कोरोना वैक्सीन को लेकर जो खबरें चल रही हैं उस पर सरकार को बयान देना चाहिए। सच्चाई सामने आनी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि हिंदी व्यापार सभा के साथियों ने लॉकडाउन के समय जो व्यापारियों को नुकसान हुआ है उस पर सवाल उठाए हैं। सरकार ने व्यापापरियों की कोई मदद नहीं की। बैंकों ने भी सहयोग नहीं किया। कारखाने और प्रतिष्ठान बंद रहे फिर भी उन्हें बिजली का बिल देना पड़ रहा है। व्यापारियों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा लूट और हत्या की घटनाएं व्यापारियों के साथ हुई हैं। कोई कार्रवाई नहीं हुई। सपा सरकार बनने पर व्यापारियों का डाटा बनाएंगे उन्हें डायल हंड्रेड से जोड़ा जाएगा और व्यापारियों की सुरक्षा दी जाएगी।

राज्य आपदा मोचक बल हेतु तकनीकी एवं मेडिकल स्टाफ की तैनाती किये जाने के कार्यो में तेजी लाये जाने के निर्देश

राज्य आपदा मोचक बल की सक्रियता को प्रभावी बनाये जाने हेतु उच्चस्तरीय बैठक

एस0डी0आर0एफ0 का उद्देश्य प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से राहत एवं बचाव कार्य है

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा राज्य अपादा मोचक बल की सक्रियता को प्रभावी बनाये जाने हेतु इस बल के लिये सभी जरूरी संसाधन शीघ्र उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देश दिये गये है। इसी कड़ी में आज गृह विभाग स्थित सभा कक्ष में हुई उच्चस्तरीय बैठक में राज्य आपदा मोचक बल मे नवसृजित कम्पनियों हेतु तकनीकी एवं मेडिकल स्टाफ की पूर्ति व मूल भूत संसाधन उपलब्ध कराये जाने की दिशा मे विस्तार से विचार विमर्श किया गया।

अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक में जानकारी दी गयी कि इस बल के उपकरणों के खरीद हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 10 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है जिसके सापेक्ष 7 करोड़ 38 लाख रूपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है। इसके अलावा कार्यालय की साज सज्जा हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 11 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही एस0डी0आर0एफ0 के लिये आवासीय /अनावासीय भवनों के निर्माण के सम्बन्ध में अब तक हुई प्रगति की भी समीक्षा की गयी। अवस्थी ने राज्य आपदा मोचक बल हेतु तकनीकी एवं मेडिकल स्टाफ की पूर्ति हेतु लोक निर्माण, चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग, ऊर्जा एवं पशुपालन विभाग से शीघ्रातिशीघ्र सेवा स्थानान्तरण के आधार पर तैनाती किये जाने के कार्यो में तेजी लाये जाने के भी निर्देश दिये है।

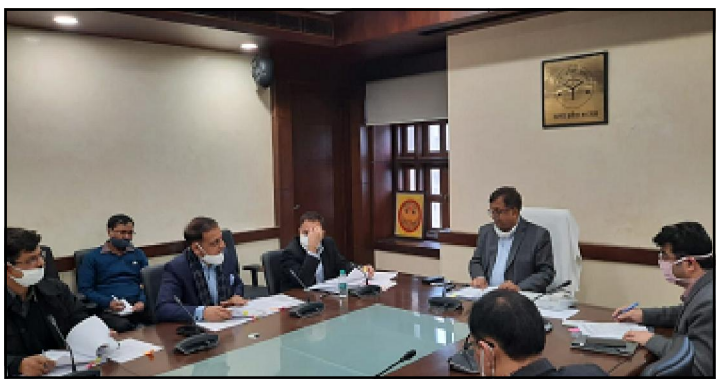

उल्लेखनीय है कि एस0डी0आर0एफ0 के गठन का उद्देश्य प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं यथा– रेल / मेट्रो दुर्घटना, पुल/इमारतो का ढहना, भू–स्खलन,भूकम्प, चक्रवात तथा रासायनिक, जैविकीय रेडियोलॉजिकल एवं नाभिकीय आपदाओं में राहत एवं बचाव कार्य है, जिसमें टीम /कम्पनी के सहयोगी तकनीकी पदों की प्रभावी भूमिका है। बैठक में सचिव, गृह तरूण गाबा, अपर पुलिस महानिदेशक, पी0एच0क्यू0, बी0पी0 जोगदण्ड, अपर पुलिस महानिदेशक, एस0डी0आर0एफ0, विनोद कुमार सिंह, विशेष सचिव गृह, डॉ0 अनिल कुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री द्वारा आयुष विभाग में नवचयनित चिकित्साधिकारियों को आयुष टेलीमेडिसिन योजनान्तर्गत योग वेलनेस सेंटर के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। (सू0वि0) मा0 मुख्यमंत्री द्वारा आयुष विभाग में नवचयनित चिकित्साधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण एवं आयुष टेलीमेडिसिन योजनान्तर्गत योग वेलनेस सेंटर के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। जनपद में कलेक्ट्रेट स्थित एन0आई0सी0 कक्ष में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज, मा0 विधायक बिसवां श्री महेन्द्र सिंह यादव एवं मा0 विधायक लहरपुर सुनील वर्मा ने उ0प्र0 लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित चिकित्साधिकारियों डा0 यशवन्त जुनेजा, डा0 अजय कुमार, डा0 गौरवेन्द्र प्रताप सिंह, डा0 गौरव वैश्य, डा0 प्रीति पाण्डेय, डा0 सोनम यादव, डा0 वैष्णो गुप्ता, डा0 अपर्णा सिंह व डा0 रूपल शुक्ला को नियुक्ति पत्र वितरित किये तथा योग वेलनेस सेंटर नीमसार, योग वेलनेस सेंटर नगर सीतापुर, योग वेलनेस सेंटर बिसवां एवं योग वेलनेस सेंटर ऑट के संचालकों को प्रमाण–पत्र वितरित किये। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं मा0 जनप्रतिनिधियों ने सभी को बधाई देते हुये कहा कि पूरी मेहनत व ईमानदारी से कार्य करते हुये नवनियुक्त चिकित्साधिकारी शोध पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, योग एवं नेचरोपैथी में अपार संभावनाएं हैं। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा0 कृष्ण गोपाल सहित संबंधित अधिकारी एवं नवनियुक्त चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

पेड़े से लटके मिले युवक और किशोरी के शव

बदायूं, (वेबवार्ता)। बदायूं जिले के उझानी क्षेत्र में सोमवार को एक युवक और एक किशोरी के शव पेड़ से लटके पाए गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना उझानी कोतवाली क्षेत्र के जिरौलिया गांव की है। गांव के जंगल में सोमवार सुबह ग्रामीणों को एक पेड़ पर फांसी के फंदे से एक युवक और एक किशोरी के शव लटके मिले। उनकी पहचान गांव के ही रतिराम (18) और प्रीति (17) के रूप में हुई है। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सूत्रों के मुताबिक पुलिस की पूछताछ में परिजनों ने बताया कि रतिराम और प्रीति रात से ही लापता थे। ग्रामीणों में चर्चा है कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था। इस मामले पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने कहा, ''प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। युवक एवं किशोरी दोनों एक ही जाति के हैं एवं आपस में दूर के रिश्तेदार भी बताए जा रहे हैं। परिजनों ने किसी भी प्रकार की कार्यवाही के लिए कोई शिकायत नहीं दर्ज करायी है, फिर भी पुलिस मामले की जांच में जुटी है। उन्होंने बताया कि दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मौत की वजह पता लगने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जायेगी।

कानपुर के एक गांव में पेड़ से लटके मिले प्रेमी युगल के शव

कानपुर, (वेबवार्ता)। कानपुर जिले के बिल्हौर के अलौलपुर गांव में सोमवार को एक प्रेमी युगल का शव पेड़ से लटका मिला। पुलिस के अनुसार मरने वालों की पहचान विकास सिंह (22) और आरती (19) के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण ब्रजेश श्रीवास्तव ने बताया, ''पुलिस मामले में जांच कर रही है, हालांकि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास और आरती प्रेमी–प्रेमिका थे और पिछले काफी दिनों से एक दूसरे को जानते थे।

प्रयागराज में ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत

प्रयागराज, (वेबवार्ता)। झूंसी थाना क्षेत्र के नीली गांव में रविवार देर रात ट्रैक्टर की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की सोमवार भोर में मौत हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके विधिक कार्रवाई की। झूंसी के अन्दावा केशवापुर गांव निवासी 35 वर्षीय शोभित प्रजापति पुत्र सुरेश चन्द्र प्रजापति खेती एवं प्राइवेट काम करके दो बेटे और दो बेटियों एवं पत्नी निर्जला देवी का भरण पोषण करता था। वह रविवार रात किसी काम से मोटरसाइकिल लेकर निकला था। रास्ते में नीली गांव के समीप उसकी मोटर साइकिल में एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। टक्कर से वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद उसे उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान सोमवार भोर में उसकी मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। अपर पुलिस अधीक्षक गंगा पार धवल जायसवाल ने बताया कि सोमवार सुबह परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मुरादनगर हादसे के जिम्मेदारों को मिले कड़ी सजा: मायावती

लखनऊ, (वेबवार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने गाजियाबाद के मुरादनगर में हुये हादसे पर दुख व्यक्त करते हुये घटना के जिम्मेदार अधिकारियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। मायावती ने सोमवार को ट्वीट किया ' यू.पी. के जिला गाजियाबाद, मुरादनगर में स्थित श्मशान घाट की छत गिरने से लगभग दो दर्जन लोगों की हुई मौत अति दर्दनाक व कष्टदायक। पीड़ित परिवार के प्रति अति संवेदना व कुदरत इन्हें इस दुःख को सहन करने की शक्ति दे।' उन्होने लिखा ' साथ ही, यू.पी. सरकार इस घटना की सही व समय से जाँच कराके इसके दोषियों को सख्त सजा जरूर दिलाये अर्थात् किसी को भी ना बचाये

तथा पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक मदद भी जरूर करे, बी. एस.पी की यह माँग।' गौरतलब है कि रविवार को तेज बारिश के कारण मुरादनगर में बंबामार्ग पर स्थित श्मशान घाट परिसर की छत और दीवार गिर गयी। घटना के समय श्मशान घाट पर अंत्येष्टि हो रही थी और इस दौरान वहां एकत्र 40 से अधिक लोग मलबे में दब गये। हादसे में 24 लोगों की मौत हो गयी है और कई अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने इस मामले में नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी (ईओ) निहारिका सिंह, कनिष्ठ अभियंता सीपी सिंह और सुपरवाइजर आशीष समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है जबकि ठेकेदार अजय त्यागी तथा अन्य फरार बताये गये हैं।

कानपुर के एक गांव में पेड़ से लटके मिले प्रेमी युगल के शव

कानपुर, (वेबवार्ता)। कानपुर जिले के बिल्हौर के अलौलपुर गांव में सोमवार को एक प्रेमी युगल का शव पेड़ से लटका मिला। पुलिस के अनुसार मरने वालों की पहचान विकास सिंह (22) और आरती (19) के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण ब्रजेश श्रीवास्तव ने बताया, ''पुलिस मामले में जांच कर रही है, हालांकि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास और आरती प्रेमी–प्रेमिका थे और पिछले काफी दिनों से एक दूसरे को जानते थे।

पुलिस ने किसानों पर बरसाए आंसू गैस के गोले, राहुल और प्रियंका ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सरकार एवं किसान संगठनों के बीच नए दौर की बातचीत से पहले सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार सर्दी एवं बारिश के बीच सड़कों पर बैठे किसानों के प्रति क्रूरता का व्यवहार कर रही है।

राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''सर्दी की भीषण बारिश में टेंट की टपकती छत के नीचे जो बैठे हैं सिकुड़–ठिठुर कर, वो निडर किसान अपने ही हैं, गैर नहीं। सरकार की क्रूरता के दृश्यों में अब कुछ और देखने को शेष नहीं।''

प्रियंका ने ट्वीट कर आरोप लगाया, ''सरकार एक तरफ तो किसानों को बातचीत के लिए बुलाती है दूसरी तरफ इस कड़कड़ाती ठंड में उन पर आंसू गैस के गोले बरसा रही है। इसी अड़ियल और क्रूर व्यवहार की वजह से अब तक लगभग 60 किसानों की जान जा चुकी है।''

उन्होंने सवाल किया, ''किसान इस क्रूर सरकार पर कैसे विश्वास करे?''

गौरतलब है कि किसान संगठनों के बीच सोमवार को नए दौर की बातचीत होने वाली है। किसान संगठनों की मांग है कि तीनों कृषि कानूनों को वापस लिया जाए और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दी जाए। अपनी मांगों को लेकर हजारों किसान दिल्ली के निकट पिछले करीब 40 दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं।

सरकार का कहना है कि ये कानून कृषि क्षेत्र में बड़े सुधार के कदम हैं और इनसे खेती से बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी तथा किसान अपनी उपज देश में कहीं भी बेच सकते हैं।

जिलाधिकारी ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का देखा हाल

आक्सीजन पाइप लाइन तत्काल ठीक कराने, आवश्यक दवाओं का डिस्प्ले बोर्ड लगवाने तथा साफ–सफाई चाक–चौबन्द कराने के दिए निर्देश

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोण्डा। जिलाधिकारी श्री मार्कण्डेय शाही ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद सरकारी दफ्तरों का औचक निरीक्षण प्रारम्भ कर दिया है। सोमवार को जिलाधिकारी औचक निरीक्षण के लिए सुबह पौने दस बजे जिला अस्पताल पहुंच गए। वहां पर उन्होंने सबसे पहले कोविड हास्पिटल का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं के बारे में पूछा।

निरीक्षण के दौरान मण्डलीय ड्रग वेयर हाउस में गन्दगी मिलने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रमुख अधीक्षक को निर्देश दिए कि तत्काल साफ–सफाई सुनिश्चित कराई जाय तथा कबाड़ आदि को हटवाएं। कोविड अस्पताल के पास ही खुले में बह रहे पानी को देख डीएम ने प्रमुख अधीक्षक से जवाब पूछा कि गन्दा पानी खुले में क्यों बह रहा है। उन्होंने तत्काल ड्रेनेज की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद जिलाधिकारी सीधे जिला अस्पताल के इमरजेन्सी वार्ड पहुंचे। वहां पर उन्होंने आवश्यक दवाओं की सूची व उनकी उपलब्धता का डिस्प्ले बोर्ड न मिलने पर प्रमुख अधीक्षक को निर्देश दिए कि वे तत्काल जिला अस्पताल में आवश्यक दवाओं व उनकी उपलब्धता का बोर्ड लगवाएं तथा यह सुनिश्चित कराएं कि मरीजों को बाहर से दवाइयां न लेनी पड़ें। इमरजेन्सी वार्ड में डीएम ने मरीज भर्ती रजिस्टर का अवलोकन किया। इसके बाद डीएम ने वार्डों में पहुंचकर मरीजों से उनका हाल चाल पूछा। डीएम ने प्रमुख अधीक्षक को सख्त निर्देश दिए कि वार्डों में रोजाना मरीजों की चादरें बदली जायं तथा अस्पताल में कहीं भी गन्दगी न मिले तथा वार्ड साफ–सुथरे हों। उन्होंने कहा कि अस्पताल में कर्मचारियों की उपस्थिति समय से सुनिश्चित हो। रैन बसेरे में अलाव का प्रबन्ध रहे तथा सुलभ शौचालय में गन्दगी न रहे, यह भी सुनिश्चित कराया जाय। उन्होंने निर्देश दिए कि आक्सीजन की पाइप लाइन को तत्काल ठीक कराएं तथा मरीजों के बेड टिकट पर हर हाल में एन्ट्री अपडेट रखी जाय जिससे सम्बन्धित मरीज के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सर्जिकल वार्ड में मनकापुर मछली बाजार की मरीज विमला देवी से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। मरीज द्वारा बताया गया कि उसके हाथ का आपरेशन होना है। डीएम ने प्रमुख अधीक्षक को निर्देश दिए कि मरीज को किसी भी प्रकार की दिक्कत न होने पावे। हड्डी वार्ड में भर्ती रूद्रपुर विसेन निवासिनी पैरालिसिस की मरीज कृष्णावती से भी उनका हाल चाल पूछा। जिलाधिकारी ने मेडिकल वार्ड, सर्जिकल वार्ड, ट्रामा वार्ड, चिन्ड्रेन वार्ड, रैन बसेरा सहित कई वार्डों का निरीक्षण किया तथा सभी आवश्यक प्रबन्ध दुरूस्त कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उनका पहला निरीक्षण है, खामियों को दूर करा लें तथा शासन की मंशानुरूप जनसामान्य को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया हों, यह प्रत्येक दशा में सुनिश्चित कराएं। इस दौरान प्रमुख अधीक्षक डा0 घनश्याम सिंह, डीएम के ओएसडी शिवराज शुक्ला सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

डीडीसी चुनावों में भाजपा के अच्छे प्रदर्शन के पीछे थी अनुराग ठाकुर की कुशल रणनीति

जम्मू–कश्मीर में जिला विकास परिषद के चुनाव नतीजों में भारतीय जनता पार्टी ने न केवल शानदार जीत हासिल की बल्कि घाटी के लोगों का पार्टी में विश्वास बढ़–चढ़कर सामने आया, इसका श्रेय भाजपा के युवा नेता, केंद्रीय वित्त एवं कंपनी मामलों के राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर की दूरगामी सोच, परिपक्व राजनीति, आक्रामक तेवर एवं राष्ट्रवादी विचारधारा को जाता है। इसमें दो राय नहीं कि इन चुनावों में चुनाव प्रभारी की भूमिका में उन्होंने अपने तूफानी चुनाव प्रचार एवं भाषणों से प्रांत के लोगों का दिल जीता। ठाकुर अपनी इस नयी भूमिका में केवल सफल ही नहीं हुए बल्कि उन्होंने अपने नेताओं में भी जोश भर दिया। जम्मू–कश्मीर जैसे संवेदनशील राज्य में सफल पारी खेल कर उन्होंने जहां प्रांत में लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया वहीं लोगों के रुख को भांपकर गुपकार गठबंधन वाले दलों और खासकर इस गठजोड़ की अगुआई कर रहे नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के मनसूंबों पर पानी फेर दिया क्योंकि कश्मीर घाटी में ठीक–ठाक मतदान हुआ था, जहां के बारे में इन दलों ने माहौल बनाया था कि अनुच्छेद 370 और 35–ए खत्म किए जाने के कारण लोग इन चुनावों से दूर रहना पसंद कर सकते हैं। ऐसा कुछ नहीं हुआ।

इन चुनावों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेकर घाटी के लोगों ने यही साबित किया कि उनका भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पूरा भरोसा है, इस तरह का माहौल बनाने में ठाकुर की भूमिका उल्लेखनीय रही है। वे इससे पहले लेह हिल काउंसिल चुनाव में दायित्व निभा चुके हैं एवं बिहार चुनाव में भी अपनी भूमिका अदा की। अनुराग ठाकुर के तेजी से बढ़ते कद ने ना सिर्फ उनके राजनैतिक सहयोगियों को आश्चर्यचकित कर दिया है बल्कि पार्टी में उनके कद एवं पद को और ऊंची छलांग देने की संभावनाओं को पंख दे दिये हैं। उनमें ऐसी क्षमताएं एवं राजनीतिक कौशल है कि वे हर दायित्व को बखूबी निभा सकते हैं। अनुराग ठाकुर ने विवादों की बाजीगरी को हमेशा जारी रखा है और जम्मू–कश्मीर में जिला विकास परिषद के चुनाव में उनकी यह करिश्माई बाजीगरी कारगर बनकर सामने आयी। ठाकुर न सिर्फ राजनीति के मंझे हुए खिलाड़ी हैं बल्कि बेहद लोकप्रिय भी हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में पदाधिकारी के तौर, हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष के तौर पर, हिमाचल के सांसद के तौर पर या फिर केंद्र सरकार में मंत्री के तौर पर हर भूमिका में उन्होंने विवादों की आंच को अवसर में तब्दील करते हुए सकारात्मक वातावरण निर्मित किया। इसके अतिरिक्त यह अलगाववाद को हवा देने के साथ–साथ कश्मीरियत को नष्ट–भ्रष्ट करने का भी काम कर रहा था। गुपकार गठबंधन को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि उसके तमाम नकारात्मक प्रचार के बाद भी घाटी में भाजपा अपनी जड़ें जमाने में सफल रही। गुपकार गठबंधन के खिलाफ भाजपा की लड़ाई एवं घाटी में लोकतंत्र को बहाल करने के काम को जिस कुशलता, कर्मठता एवं सूझबूझ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अनुराग ठाकुर ने अंजाम दिया, उसे राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर सराहा जा रहा है। घाटी के मोर्चे पर अपनी अनूठी पकड़ एवं कौशल के कारण अनुराग का मूल्यांकन समयोचित है, उनके काम एवं राजनीतिक चरित्र ऐसे रहे हैं कि उन पर जनता का विश्वास अटल है। वे अपनी हर जिम्मेदारियों को निभाने में सक्षम भी हैं और कर्मठ भी हैं।

अनुराग ठाकुर भारतीय राजनीति के जुझारू एवं जीवट वाले युवानेता हैं, यह सच है कि वे हिमाचल के हैं यह भी सच है कि वे भारतीय जनता पार्टी के हैं किन्तु इससे भी बड़ा सच यह है कि वे राष्ट्र के हैं, युवानायक हैं एवं देश की वर्तमान राजनीति में वे अब एक दुर्लभ व्यक्तित्व हैं। वे तो कर्मयोगी हैं, देश की सेवा के लिये सदैव तत्पर रहते हैं, किसी पद पर रहें या नहीं, हर स्थिति में उनकी सक्रियता एवं जिजीविषा रहती है, एक राष्ट्रवादी सोच की राजनीति उनके इर्दगिर्द गतिमान रहती है। वे सिद्धांतों एवं आदर्शों पर जीने वाले व्यक्तियों की श्रृंखला के प्रतीक हैं। उनके जीवन से जुड़ी विधायक धारणा, आक्रामक तेवर और यथार्थपरक सोच ऐसे शक्तिशाली हथियार हैं जिसका वार कभी खाली नहीं गया। अनुराग ठाकुर इन दिनों वित्तराज्य मंत्री हैं और उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान अस्त–व्यस्त हो गयी अर्थव्यवस्था को अनूठे तरीके से संभालते हुए सर्वोच्च नेतृत्व का विश्वास जीता है। वे नरेन्द्र मोदी सरकार में एक सशक्त एवं कद्दावर मंत्री हैं। कई नए अभिनव दृष्टिकोण, राजनैतिक सोच और मोदी की कई आर्थिक योजनाओं को प्रभावी प्रस्तुति दी तथा विभिन्न विकास, आर्थिक परियोजनाओं के माध्यम से लाखों लोगों के जीवन में सुधार किया, उनमें आशा का संचार किया। वे भाजपा के एक रत्न हैं। उनका सम्पूर्ण जीवन अभ्यास की प्रयोगशाला है। उनके मन में यह बात घर कर गयी थी कि अभ्यास, प्रयोग एवं संवेदना के बिना किसी भी काम में सफलता नहीं मिलेगी। उन्होंने अभ्यास किया, दृष्टि साफ होती गयी और विवेक जाग गया। उन्होंने हमेशा अच्छे मकसद के लिए काम किया, तारीफ पाने के लिए नहीं। खुद को जाहिर करने के लिए जीवन जी रहे हैं, दूसरों को खुश करने के लिए नहीं। उनके जीवन की कोशिश है कि लोग उनके होने को महसूस ना करें बल्कि उनके काम को महसूस करें। उन्होंने अपने जीवन को हर पल एक नया आयाम दिया और जनता के दिलों पर छाये रहे। उनका व्यक्तित्व एक ऐसा आदर्श राजनीतिक व्यक्तित्व है जिन्हें जोश, सेवा और सुधारवाद का अक्षय कोष कहा जा सकता है। आपके जीवन की खिड़कियाँ राष्ट्र एवं समाज को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रहती हैं। इन्हीं खुली खिड़कियों से आती ताजी हवा के झोंकों का अहसास भारत की जनता कर रही है, उन्हें जो भी दायित्व दिया गया है, वे उस पर खरे उतरेंगे, इसमें कोई सन्देह नहीं है।

किसानों को मनाने में सफल रहे योगी, सिर्फ एकाध जिलों में दिख रहा है प्रदर्शन

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित केन्द्र और उत्तर प्रदेश में दशकों तक राज करने वाली कांग्रेस की सत्ता में रहते किसानों के प्रति जो भी सोच रही हो, लेकिन आज की तारीख में किसानों के वोट बैंक की लालच में उलझकर उक्त दलों के आला नेतृत्व ने पूरी तरह से पलटी मार ली है। यह लोग मोदी सरकार को नये कृषि कानून के बहाने 'सियासी पटखनी' देने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाह रहे हैं। जहां यह पार्टियां सत्ता में हैं वहां सरकारी मशीनरी के सहारे किसान आंदोलन को भड़का कर यह दल अपनी सियासी रोटियां सेंकने में लगे हैं। वहीं जिस राज्य में मतदाताओं ने इन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया है, वहां इन पार्टियों के दिग्गज नेता अपने भड़काऊ बयानों से किसानों को बरगला कर उन्हें मोदी सरकार के खिलाफ आक्रोशित करने में लगे हैं।

विपक्ष के इसी दोहरे चरित्र के चलते केन्द्र की मोदी और राज्यों की बीजेपी सरकारों को अपने यहां कानून एवं व्यवस्था संभालना मुश्किल होता जा रहा है। सबसे ज्यादा हंगामा पंजाब के कुछ हजार किसानों और थोड़ा–बहुत हरियाणा के किसानों द्वारा खड़ा किया जा रहा है। उक्त दो राज्यों के अलावा अन्य राज्यों के किसानों की नये कषि कानून को लेकर कोई नाराजगी नहीं जताना यही बताता है कि यह किसान मोदी सरकार के नये कषि कानून से या तो संतुष्ट हैं या फिर वह कुछ समय तक चुप रहकर इसका फायदा–नुकसान समझना चाह रहे होंगे। इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी या फिर उसके गठबंधन वाली सरकारें हैं, वहां की राज्य सरकारों ने नये कृषि कानून को लेकर आशंकित किसानों का भय दूर करने के लिए एड़ी–चोटी का जोर लगा दिया। भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं और उनके केन्द्र तथा राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों द्वारा दिल्ली से लेकर राज्यों में किसानों के साथ चौपाल लगाकर, सेमिनार के माध्यम से, डिबेट के द्वारा, अखबारों में बड़े–बड़े विज्ञापन प्रकाशित करने के साथ तमाम तरीकों से नये कृषि कानून के फायदे किसानों को गिनाए गए।

सबसे अधिक मेहनत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को करनी पड़ी। क्योंकि एक तो यूपी पंजाब और दिल्ली से लगा हुआ राज्य है। दूसरे उत्तर प्रदेश के किसानों के बीच अपनी मजबूत पकड़ रखने वाला संगठन, भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) भी पंजाब के आंदोलनकारी किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है। भाकियू नेता नरेश और राकेश टिकैत नया कृषि कानून वापस कराने के लिए लगातार मोदी सरकार को चुनौती दे रहे हैं तो वहीं यूपी में टिकैत बंधु नये कृषि कानून को लेकर किसानों को उकसाने और जगह–जगह प्रदर्शनों और हाईवे जाम कर योगी सरकार के सामने काननू व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती पेश कर रहे हैं, लेकिन तारीफ करनी होगी योगी सरकार की कि भाकियू ने यूपी के किसानों को नये कृषि कानून के खिलाफ आंदोलित करने का कोई मौका नहीं छोड़ा तो योगी सरकार ने भी नये कृषि कानून की बारीकियों और उससे किसानों को होने वाले फायदों की खूबियां गिनाने में अपनी पूरी 'फौज' उतार दी, जिसने नये कृषि कानून क फायदे तो गिनाए ही इसके साथ ही किसानों को उनके (किसानों के) नाम पर चले रहे किसान आंदोलन के पीछे की सियासत से भी रूबरू कराया गया।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की मेहनत का ही नतीजा था कि भारतीय किसान यूनियन जिस आंदोलन को पूरे प्रदेश में फैला देना चाहती थी, वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तीन–चार जिलों के कुछ किसानों के बीच सिमट कर रह गया। बसपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी आदि तमाम गैर विरोधी भाजपा दलों और नेताओं के तमाम प्रयासों के बाद भी नये कृषि कानून को लेकर अगर यूपी के किसानों का आक्रोश थमा रहा तो इसका काफी श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'टाइमिंग' को जाता है, जिन्होंने आंदोलन शुरू होने के पहले दिन से ही किसानों को नए कृषि कानून की खूबियां बताना शुरू कर दी थीं और आज भी वह किसानों को समझाने में लगे हुए हैं।

नये कृषि कानून को लेकर दुष्प्रचार फैलाने और किसानों को भड़काने में वामपंथी–कांग्रेसी, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी समेत तमाम दलों में कोई पीछे नहीं है। खासकर राहुल गांधी जैसे नेता तो सभी मर्यादाएं पार कर रहे हैं। इसी के चलते राहुल गांधी द्वारा यह कहा जा रहा है कि नए कृषि कानूनों से असली फायदा तो अंबानी और अदानी को होगा। अंबानी–अदानी के खिलाफ राहुल ने झूठ की दीवार खड़ी की तो उनकी पार्टी के अन्य नेताओं ने इस दीवार को और ऊंचा करने में अपनी 'मेहनत' झोंक दी। राहुल और कांग्रेस का सुनियोजित दुष्प्रचार यह जानते हुए भी आगे बढ़ता गया कि अंबानी–अदानी की कंपनियां किसानों से सीधे अनाज खरीदती ही नहीं हैं। यह कहां तक उचित है कि देश के प्रतिष्ठित उद्योगपतियों का कल्पनाओं के आधार पर विरोध किया जाए। उनके उत्पादों के बहिष्कार के लिए देश के किसानों को उकसाना आंदोलनकारी संगठनों की अपरिपक्वता को ही दर्शाता है।

हमें यह समझना होगा कि देश को उद्योगपति एवं किसान दोनों की जरूरत है। दोनों ही समाज का महत्वपूर्ण अंग हैं। बगैर उद्योगों के न तो कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण हो सकता है और न ही अच्छा निर्यात। दोनों को एक–दूसरे के काम को सम्मान से देखना होगा। वर्ना सियासत में फंसकर किसान अपना ही बुरा करेंगे। इसी तरह यह भी एक तरह का दुष्प्रचार ही है कि नए कृषि कानून लागू हो जाने के बाद सरकारी मण्डी बंद हो जाएंगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था खत्म हो जाएगी, किसानों की जमीनें भी छिन जाएंगी।

चूंकि इस दुष्प्रचार में मोदी विरोधी नेताओं के अलावा वे भी शामिल हैं, जो खुद को किसान नेता बताते हैं, इसलिए उनके इरादों पर संदेह होता है। क्या इससे बड़ी विडंबना और कोई हो सकती है कि किसान नेता ही किसानों को गुमराह करें? यह सब तब हो रहा है जबकि कृषि में सुधार के लिए विगत तीन वर्षों से केंद्र सरकार द्वारा फसलों के समर्थन मूल्य में निरंतर वृद्धि की जा रही है। फसलों को प्राकृतिक आपदा सहित अन्य नुकसानों से बचाने के लिए उसके फसल बीमा कवच को प्रभावी बनाने हेतु निरंतर बदलाव किए जा रहे हैं। लेकिन कुछ किसान संगठन हैं कि वे न केवल अपने अड़ियल रुख पर कायम हैं, बल्कि वह अपनी आंदोलन सूची में कई ऐसी मांग भी जोड़ते जा रहे हैं जिनका कृषि सुधार कानून से दूर–दूर का वास्ता नहीं है।

खैर, बात यूपी के किसानों की कि जाए तो यहां का किसान नये कृषि कानून को लेकर शांत था, लेकिन किसानों के नाम पर कई सियासतदार माहौल खराब करने की साजिश रचने में लगे हुए थे, यह और बात है कि योगी सरकार के खौफ के चलते गैर भाजपाई नेताओं के मंसूबे परवान नही चढ़ पाए। यूपी सरकार की सख्ती के कारण यहां कोई बहरूपिया किसान का भेष बनाकर प्रदेश का माहौल खराब करने, हिंसा–आगजनी फैलाने की हिमाकत नहीं कर पाया। क्योंकि सबको नागरिकता संशोधन एक्ट का वह दौर याद था, जब योगी सरकार ने उक्त एक्ट के विरोध के नाम पर प्रदेश को हिंसा की आग में झोंक देने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए उनकी संपत्ति तक की कुर्की का आदेश दे दिया था, अभी भी कई आरोपी कोर्ट के चक्कर लगा रहे हैं। यही नहीं अब तो यूपी में नया कानून बन गया है। अब कोई आंदोलन के नाम पर सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाएगा तो नुकसान की भरपाई ऐसे लोगों से करने के साथ उन्हें जेल तक भेजने का प्रावधान कर दिया गया है।

–अजय कुमार

राहुल और प्रियंका ने सरकार पर किसानों के प्रति 'क्रूरता का व्यवहार' करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सरकार एवं किसान संगठनों के बीच नए दौर की बातचीत से पहले सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार सर्दी एवं बारिश के बीच सड़कों पर बैठे किसानों के प्रति क्रूरता का व्यवहार कर रही है। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''सर्दी की भीषण बारिश में टेंट की टपकती छत के नीचे जो बैठे हैं सिकुड़–ठिठुर कर, वो निडर किसान अपने ही हैं, गैर नहीं। सरकार की क्रूरता के दृश्यों में अब कुछ और देखने को शेष नहीं।'' प्रियंका ने ट्वीट कर आरोप लगाया, ''सरकार एक तरफ तो किसानों को बातचीत के लिए बुलाती है दूसरी तरफ इस कड़कड़ाती ठंड में उन पर आंसू गैस के गोले बरसा रही है। इसी अड़ियल और क्रूर व्यवहार की वजह से अब तक लगभग 60 किसानों की जान जा चुकी है।'' उन्होंने सवाल किया, ''किसान इस क्रूर सरकार पर

कैसे विश्वास करे?'' गौरतलब है कि किसान संगठनों के बीच सोमवार को नए दौर की बातचीत होने वाली है। किसान संगठनों की मांग है कि तीनों कृषि कानूनों को वापस लिया जाए और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दी जाए। अपनी मांगों को लेकर हजारों किसान दिल्ली के निकट पिछले करीब 40 दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार का कहना है कि ये कानून कृषि क्षेत्र में बड़े सुधार के कदम हैं और इनसे खेती से बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी तथा किसान अपनी उपज देश में कहीं भी बेच सकते हैं।

लखनऊ में 18 जनवरी से महिला सैन्य पुलिस की खुली भर्ती

लखनऊ, (वेबवार्ता)। सेना में मध्य कमान के लखनऊ स्थित मुख्यालय में 18 से 30 जनवरी के बीच महिला सैन्य पुलिस (सैनिक सामान्य ड्यूटी) के लिए खुली भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। सैन्य प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि भारतीय सेना में सैनिक श्रेणी में महिला सैन्य पुलिस के दूसरे बैच की भर्ती रैली की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सभी जिलों के अभ्यर्थियों के लिए सेना में महिला सैन्य पुलिस (सैनिक जनरल ड्यूटी) के नामांकन के लिए एएमसी सेंटर एंड कॉलेज, लखनऊ के स्टेडियम में 18 से 30 जनवरी तक मुख्यालय भर्ती कार्यालय भर्ती रैली का आयोजन करेगा। उन्होने बताया कि भर्ती रैली में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सभी जिलों की 5898 महिला उम्मीदवारों के शामिल होने की उम्मीद है। इस भर्ती रैली के लिये पात्रता मानदंड और योग्यता, डू एंड डोन्ट और परीक्षण की श्रृंखला के बारे में विस्तृत जानकारी 27 जुलाई 2020 की अधिसूचना में दी गई है, जो पहले ही डब्लूडब्लूडब्लू. इंडियनआर्मी. एनआईसी.इन वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गयी है कि वे दलालों और धोखेबाज व्यक्तियों से सावधान रहें और दवाओं के सेवन से बचें। इस बात पर फिर से जोर दिया जाता है कि अगर उम्मीदवार इस तरह के व्यवहार में शामिल पाए गए तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी

मदोही में खाई में पलटा ट्रैक्टर, चालक की मौत

भदोही, (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश में भदोही जिले के कोईरौना क्षेत्र में सीतामढ़ी गंगा घाट से बालू निकालने जा रहा एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया जिसके नीचे दबकर चालक की मौत हो गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गोपीगंज थाना इलाके के गुलौरी गांव निवासी ट्रैक्टर चालक दीपक पाल (20) सोमवार भोर में कोईरौना थाना इलाके के सीतामढ़ी गंगा घाट से बालू निकालने जा रहा था कि तभी ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया। इस हादसे में चालक की मौके पर ही मृत्यु हो गयी।

धड़ल्ले से चल रहे हैं नर्सिंग होम

अवध की आवाज दीपक शुक्ला

उन्नाव। मानक विहीन अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हो रही है स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से फल फूल रहे नर्सिंग होम । सूत्रों की माने तो हॉस्पिटल में बैठे डॉक्टर जिनके पास कोई डिग्री नहीं है, कर रहे मरीजों की जिंदगी के साथ खिलवाड़। देखना होगा कि हॉस्पिटल संचालकों पर कब होगी कार्रवाई। सूत्रों की माने तो जनपद उन्नाव में भारी संख्या में चल रहे बगैर रजिस्ट्रेशन के नर्सिंग होम क्लीनिक,स्वास्थ विभाग की लापरवाही से ,वही हम बात करे तो कई मानक विहीन नर्सिंग होम भी ध डल्ले से हो रहे संचालित, लेकिन कभी स्वास्थ विभाग की नजरे ऐसे नर्सिंग होम पर नही जाती हैं, खुलेआम स्वास्थ्य विभाग की धज्जियां उड़ा रहे हैं । मानक विहीन नर्सिंग होम में बहला – फुसलाकर मरीजों से मोटी रकम वसूली जाती है। आराधना हॉस्पिटल, लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल, शुभ हॉस्पिटल , न्यू पूजा हॉस्पिटल, नवीन मंडी के बगल में स्थित है, जो कि मानक विहीन अस्पताल है।

मलेरिया व अन्य संचारी रोगों में कमी लाने को आशा–एएनएम को ट्रेनिंग

अवध कर आवाज

लखनऊ। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) काकोरी में सोमवार को मलेरिया एवं अन्य संचारी रोगों में कमी लाने के लिए आशा, एएनएम एवं अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डा. पिनाक त्रिपाठी ने मच्छरजनित रोगों के बारे में जानकारी देते हुए कहा– मलेरिया एवं अन्य संक्रामक रोगों से बचाव के लिए हमें सबसे पहले इस बात पर लोगों को जागरूक करना चाहिए कि वह अपने घर में या घर के आस–पास कहीं पर भी पानी इकठ्ठा न होने दें और गड्ढे जहां पानी हों वहां मिट्टी भर दें। कूलर , गमले में पानी इकठ्ठा न होने दें। इन्हें हर सप्ताह खाली कर सुखाएं। पानी की टंकी को ढक कर रखें घजानवर के बाड़ों को घर से दूर रखें घ चूहे – छछूंदरों से बचकर रहें। पीने के लिए इंडिया मार्का –२ हैंडपंप का पानी ही प्रयोग करें। कुपोषित बच्चों का विशेष ध्यान रखें घ घर के आस–पास नियमति रूप

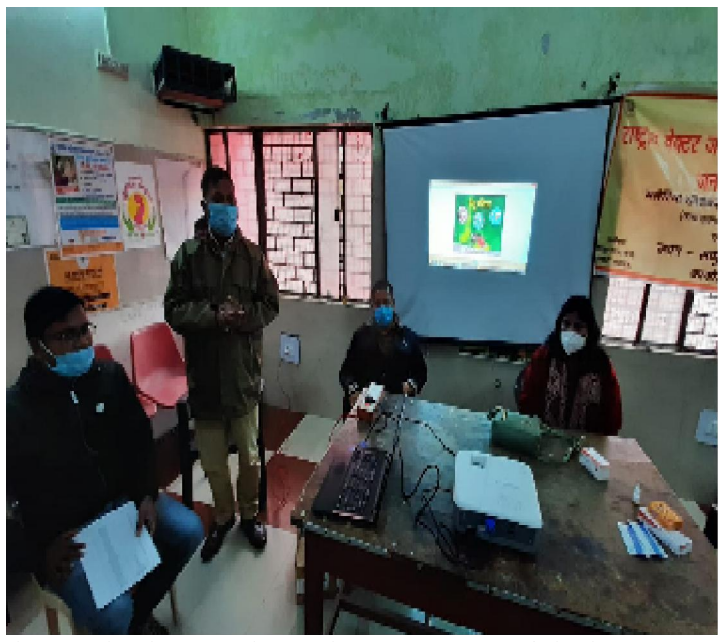

से झाड़ियों को साफ करें। बच्चों को जेई (जापानी इन्सिफेलाइटिस) के दो टीके अवश्य लगवाएं। खुले में शौच के लिए न जाएँ, शौचालय का ही उपयोग करें। खाना बनाने व खाने से पहले हाथ अच्छे से धोएं। पूरी आस्तीन के कपड़े पहने। मच्छररोधी उपाय अपनाएँ। घर के दरवाजों और खिड़कियों पर जाली लगायें। उन्होने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों से अपील की कि वह समुदाय में लोगों को इन बातों के बारे में जरूर बताएं तभी हम डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया से मुक्ति पा सकते हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (एचईओ) शशि भूषण ने बताया– अगर किसी को बुखार आता है तो सबसे पहले सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाएँ झोलाछाप चिकित्सक को नहीं दिखाएं। तेज बुखार होने पर सामान्य पानी की पट्टी सिर, हाथ पैर एवं पेट पर रखें। बिना डाक्टर की सलाह के किसी भी दवा का सेवन न करें। शरीर में पानी की कमी न हो इसके लिए पानी के साथ ही नारियल पानी, ताजे फलों का रस, शिकंजी, का सेवन करें। साथ ही एचईओ ने बताया दृ दिमागी बुखार से सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। इसके लक्षणों को पहचानने की जरूरत है और समुदाय को बताने की भी जरूरत है ताकि वह समय पर स्वास्थ्य केंद्र पर जाएँ घ इसके लक्षण हैं– माथे को छूने पर शरीर गर्म होना, पूरे शरीर में लगातार दर्द होना, मिचली आना, उल्टी आना, बेवजह बड़बड़ाना, शरीर में झटके आना और बेहोश हो जाना ऐसे कोई लक्षण दिखने पर 108 पर कॉल कर एम्बुलेंस बुलाएँ और पीड़ित को सरकारी अस्पताल ले जाएँ घअधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 5145 पर संपर्क करें या अपने नजदीकी प्राथमिक / सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जानकारी प्राप्त करें। इस अवसर पर मलेरिया निरीक्षक सीमा शुक्ला और बीसीपीएम प्रद्युम्न कुमार मौर्या सहित लगभग 43 सहभागी उपस्थित थ।

बाइक सवार को बचाने में एसडीएम गौरीगंज का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, अस्पताल ले जाते समय बाइक सवार की मौत

अमेठी। गौरीगंज से लखनऊ आ रहे उपजिलाधिकारी गौरीगंज संजीव कुमार मौर्य की गाड़ी एक बाइक सवार को बचाने में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हालांकि, घायल बाइक सवार को इलाज के लिए ले जाते समय मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, एसडीएम गौरीगंज किसी सरकारी काम से अपनी टीम के साथ लखनऊ जा रहे थे कि जगदीशपुर थाना क्षेत्र के पंडित पुरवा हाइवे चौराहे पर मोपेड सवार एक युवक को बचाने में उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। मोपेड सवार मो. सरवर (65) की इलाज के लिए ले जाते समय मौत हो गई। घायल सरवर को सीएचसी से ट्रामा सेंटर ले जाया जा रहा था। हालांकि दुर्घटना में एसडीएम संजीव कुमार मौर्य व उनके साथ रहे लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। संजीव मौर्य आईएएस हैं और इस समय एसडीएम गौरीगंज का काम देख रहे हैं। हादसे के बाद वह दूसरी गाड़ी से लखनऊ रवाना हो गए। सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना सुनील त्रिवेदी मौके पर पहुंचे।

धूम 4 में विलेन का किरदार निभाएंगी दीपिका पादुकोण, जानें कब शुरू करेंगी फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण को बड़े पर्दे पर हम भी ने हमेशा अगल–अलग अवतारों में देखा है। दीपिका ने अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीता। कभी उन्होंने योद्धा और प्यार में सबकुछ भूल जाने वाली मस्तानी का किरदार निभाया तो कभी पद्मावती का।

रामलीला और ओम शांति ओम में भी उन्हें ट्रेडिशनल अवतार में देखा गया। तमाशा और ये जावानी है दीवानी जैसी फिल्मों में दीपिका ने नॉर्मल लड़की की भूमिका में देखा गया। कई फिल्मों में बोल्ड अवतार में भी देखा। अब दीपिका पादुकोण को पर्दे पर इन सबसे अलग एक खलनाईका के अवतार में देखा जाएगा। फैंस के लिए एक हैरान करने वाली खबर आयी है,इस खबर से बॉलीवुड में दीपिका पादुकोण की छवि बदल सकती है। आने वाली फिल्म धूम के चौथे पार्ट में दीपिका पादुकोण की एंट्री हो रही है। फिल्म में दीपिका पादुकोण विलेन की भूमिका निभाएंगी। दीपिका फिल्म में बड़े दर्जे की शातिर चोरनी होंगी। फिल्म को लेकर यशराज फिल्म के साथ दीपिका पादुकोण की बात चल रही है। फिल्म की डेट्स को लेकर दोनों का आपस में मंथन चल रहा है। दीपिका के पास कई और भी प्रोजेक्ट्स है जिसके कारण धूम 4 के लिए इस साल डेट्स निकालना मुश्किल है। सूत्रों के मुताबिक मिली जानकारी के अनुसार ये माना जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिरी महीनों में शुरू होने की संभावना है। फिलहाल दीपिका अपने परिवार और दोस्तों के सात नये राजस्थान के रणथंभौर टाइगर रिजर्व में वेकेशन मना रही हैं। जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई है।

बॉलीवुड एक्टर धर्मेन्द्र ने किसान मुद्दे पर कहा– किसानों को मिले इंसाफ, करता हूं अरदास

मुम्बई। केन्द्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों और सरकार के बीच सातवें दौर की बातचीत से पहले अभिनेता एवं पूर्व सांसद ध र्मेन्द्र ने सोमवार को कहा कि वह दिल से दुआ करते हैं कि इन किसानों को आज इंसाफ मिले। भीषण सर्दी और बारिश के बीच हजारों किसान राष्ट्रीय राजधानी से लगी सीमाओं पर करीब एक महीने से केन्द्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। ध र्मेन्द्र ने ट्वीट किया, आज, मेरे किसान भाइयों को इंसाफ मिल जाए। हाथ जोड़कर, जी जान से अरदास करता हूं, हर एक रूह को सुकून मिल जाएगा। धर्मेन्द्र ने पहली बार किसान संकट पर अपने विचार व्यक्त नहीं किए हैं। इससे पहले, दिसम्बर में भी धर्मेन्द्र ने केन्द्र से कृषि कानूनों के खिलाफ जारी प्रदर्शन का समाधान खोजने की अपील की थी।

उन्होंने ट्वीट किया था, मैं अपने किसान भाइयों का दर्द देख काफी दुखी हूं। सरकार को जल्द कुछ करना चाहिए। इस साल सितम्बर

में अमल में आए तीनों कानूनों को केन्द्र सरकार ने कृषि क्षेत्र में बड़े सुधार के तौर पर पेश किया है। उसका कहना है कि इन कानूनों के आने से बिचौलिए की भूमिका खत्म हो जाएगी और किसान अपनी उपज देश में कहीं भी बेच सकेंगे। हरियाणा पुलिस ने दिल्ली की तरफ जा रहे किसानों के एक समूह पर रेवाड़ी जिले के मसानी बांध के पास रविवार की शाम को आंसू गैस के गोले छोड़े थे।

किसानों ने बुधला सांगवारी गांव के पास पहले पुलिस बैरीकेड तोड़ डाले और फिर शाम में उन्होंने दिल्ली की तरफ बढ़ने की कोशिश की थी। राजस्थान, हरियाणा और कुछ अन्य स्थानों के किसान पिछले कुछ दिनों से जयपुर–दिल्ली राजमार्ग पर भी प्रदर्शन कर रहे हैं।

कैटरीना कैफ ने शेयर की विक्की कौशल के साथ गलती से ये तस्वीर, 5 मिनट में कर दी डिलीट

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल के लव अफेयर को लेकर लंबे समय से खबरें आ रही हैं। दोनों को कई बार साथ देखा गया है। दिवाली 2019 में विक्की कौशल के साथ लाल ड्रेस में कैटरीना की तस्वीर काफी वायरल हुई थी। इस तस्वीर के सामने आने के बाद ही दोनों रिलेशनशिप में है, इस बात की पुष्टि हुई थी। कई इंटरव्यूज और मीडिया में विक्की ने हमेशा रिलेशनशिप की बात पर चुप्पी साधी। रिलेशनशिप की

बात को निजी जिंदगी की बात कह कर टाल दिया गया। अब कैटरीना कैफ की एक छोटी सी गलती ने विक्की और उनके प्यार का इजहार फैंस के सामने कर दिया।

बॉलीवुड का एक बहुत मशहूर गाना है – तुम लाख छुपाओं प्यार मगर दुनिया को पता चल जाएगा, लेकिन छुप–छुप के मिलने में मिलने का मजा जो आएगे.... जी हां कैटरीना कैफ अपना काफी वक्त विक्की कौशल के साथ बिताती ही। विक्की कैटरीना के परिवार से भी काफी क्लोज है। इस बात का पता हाल ही में कैटरीना कैफ की तरफ से शेयर की गयी पोस्ट से चला।

कैट ने सोशल मीडिया परअपनी एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें कैटरीना के साथ उनकी बहन को हुडी स्वेटर पहने देखा जा सकता है। दोनों ने सिर पर कैप पहनी हुई है। कैटरीना के पीछे एक शिशे का गेट है जिसमें तस्वीर क्लिक करने वाले विक्की कौशल का रिफ्लेक्शन दिखाई पड़ रहा है। ये तस्वीर पहले कैट ने शेयर की और उसके 5 मिनट के अंदर ही उन्होंने इसे डिलीट कर दिया लेकिन फैंस से वो इस बार नहीं बच सकी। फैंस ने तस्वीर को देख लिया था।

सुशांत की मौत के बाद जमानत पर रिहा हुई रिया चक्रवर्ती भाई शौविक के साथ हुई स्पॉट

जेल से छूटने के महीनों बाद रिया चक्रवर्ती को उनके घर के बाहर स्पॉट किया गया था। एक्ट्रेस और उनके भाई शोबिक मुंबई में एक नए घर की तलाश कर रहे हैं और रविवार को उन्हें इसी की तलाश पर जाते हुए देखा गया। रिया चक्रवर्ती को ड्रग्स मामले में अक्टूबर में जमानत मिली थी तब से वह बेल पर बाहर है। एनसीबी ने उन्हें उनके प्रेमी सुशांत सिंह राजपूत की मौत से संबंधित ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया था। रिया चक्रवर्ती और शोविक को कोरोनोवायरस महामारी से सुरक्षा के लिए मास्क पहने हुए देखा गया।

जब वह घर से बाहर निकल रही थी तब पापराजी ने उनकी तस्वीरें क्लिक करने की कोशिश की। रिया ने गुलाबी स्वेटशर्ट पहना था, जिस पर लिखा था, श्लव इज पावरश। फोटोग्राफर्स के साथ बातचीत करने के लिए वह बिलकुल भी नहीं रुकी। रिया के भाई शोविक, जो ड्रग्स मामले के एक आरोपी भी थे, को 2 दिसंबर को जमानत पर छोड़ दिया गया था। शोविक और रिया दोनों को एनसीबी ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत से संबंधित ड्रग्स से जुड़े मामले की जांच में गिरफ्तार किया था। शोविक 4 सितंबर से जेल में थे, जबकि रिया को बॉम्बे हाई कोर्ट ने 7 अक्टूबर को जमानत दे दी थी।

अली गोनी जैस्मिन रुबिना और अभिनव शुक्ला हुए नॉमिनेट भड़के बिग बॉस् ने दिया दंड

मुंबई वेबवार्ता। बिग बॉस 14 में और कुछ हो न होए एक बात तो पक्की है कि कंटेस्टेंडट्स को किसी चीज की परवाह नहीं है। न बिग बॉस के डांट कीए न नियमों की और न वीकेंड पर सलमान खान के फटकार की। दो मिनट पहले जिन चीजों के लिए कंटेस्टेंट को समझाया जाता हैए अगले ही पल वह दोबारा वही गलतियां दोहराते हैं। शो में एक बार फिर से नियम टूटा है और बिफरे बिग बॉस् ने गुस्सेक में अली गोनीए जैसि् न भसीनए रुबिना दिलैक और अभिनव शुक्ला को घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेट कर दिया है।

दरअसल घर में एक बार फिर नॉमिनेशन के बारे में कंटेस्टेंट्स को बात करते हुए देखा गया है। यह नियमों का उल्लंएघन है और बीते दिनों भी इस नियम को तोड़ा गया था। तब बिग बॉस ने कंटेस्टें ट्स को फटकार भी लगाई थी। अब एक बार फिर सोमवार के एपिसोड में नॉमिनेशन की प्रक्रिया शुरू होने से पहले अली जैस्मिन रुबिना और अभिनव को नॉमिनेश के बारे में चर्चा करते हुए पाया जाता है। इसके बाद बिग बॉस चारों को घर से बेघर् होने के लिए नॉमिनेट कर देते हैं।

बिग बॉसश् के घर की खबर देने वाले द खबरी् ने इस बारे में ट्वीट किया है। इसमें लिखा है कि अली गोनीए रुबिना दिलैकए अभिनव शुक्लो और जैसदिश् न भसीन इस हफ्ते घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेट हो गए हैं। चारों नॉमिनेशन डिस्ककस कर रहे थे।

बता दें कि बीते हफ्ते भी निक्कीक तंबोली को बिग बॉस ने साफ शब्दों में कहा था कि वह किसी ने नॉमिनेशन की प्रक्रिया का जिक्र नहीं करेंगी। लेकिन कंफेशन रूम से बाहर आते ही उन्होंहने इशारों में अली गोनी को इसके बारे में बता दिया। इसके बाद भड़के बिग बॉस ने कैप्टमन विकास गुप्तं को छोड़कर घर के बाकी सभी 11 कंटेस्टेटि को नॉमिनेट कर दिया था।

सनी लियोनी को दिल दे बैठे सलमान, बोले–मुझे अभी आपसे प्यार हो गया

मुंबई, (वेबवार्ता)। बिग बॉस के 5वें सीजन में नजर आईं सनी लियोनी हाल ही बिग बॉस 14 के वीकेंड का वार एपिसोड में पहुंचीं। जैसे ही वह बिग बॉस के घर में पहुंचीं तो सभी घरवाले उनसे मिलने को लेकर काफी एक्साइटेड हो गए। सिर्फ घरवाले ही नहीं बल्कि होस्ट सलमान भी खुश नजर आए।

लेकिन घरवालों से पहले सनी लियोनी ने सलमान की बीमारी का इलाज किया। सलमान ने सनी लियोनी से कहा कि उन्हें लवेरिया हुआ है। मेकर्स ने इस एपिसोड का प्रोमो भी रिलीज किया था, जिसमें सनी लियोनी, सलमान से पूछती हैं, आपकी बीमारी क्या है? यह सुनकर सलमान बोलते हैं, मुझे अभी आपसे प्यार हो गया है। इसे लवेरिया कहते हैं।

सलमान की बात सुनकर सनी लियोनी अपने दिल पर हाथ रखती

हैं और बोलती हैं, सलमान, सलमान। फिर बोलती हैं कि देखो मुझे भी हो गया है। इसके बाद सलमान हंसते हुए सनी लियोनी को गले लगा लेते हैं। इसी एपिसोड में सुरभि चंदना, शरद मल्होत्रा और मोनालिसा भी बतौर गेस्ट पहुंचीं।

मोनालिसा ने घर से एक सदस्य को एलिमिनेट करने वाले टास्क में हिस्सा लिया। उन्होंने लिपस्टिक से उस सदस्य का नाम मिरर पर लिखा, जो घर से बेघर होगा। इस वाले हिस्से को 4 जनवरी के एपिसोड में दिखाया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल महाजन घर से बेघर हो गए हैं। वह घर के कैप्टन थे और इस कारण अगले हफ्ते के लिए उन्हें इम्यूनिटी मिली हुई थी। पर इस हफ्ते राहुल महाजन सेफ नहीं थे। हालांकि अभी यह कन्फर्म नहीं है कि राहुल इविक्ट हुए हैं या नहीं। यह भी कहा जा रहा है कि इस हफ्ते डबल इविक्शन होगा।

बारिश के बाद दिल्ली में छाया घना कोहरा न्यूनतम तापमान बढ़ा

नई दिल्ली वेबवार्ता। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा और आसमान में बादल छाए रहने के कारण न्यूनतम तापमान बढ़कर 114 डिग्री सेल्सियस हो गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग आईएमडी ने यह जानकारी दी। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कोहरे के कारण दृश्यता कम हो गई। सुबह करीब साढ़े सात बजे सफदरजंग वेधशाला में दृश्यता 50 मीटर तथा पालम में 150 मीटर दर्ज की गई। आईएमडी के अनुसार शून्य से 50 मीटर के बीच दृश्यता होने पर कोहरा बेहद घना 50 से 200 मीटर के बीचष्घना 201 से 500 के मीटर के बीच मध्यम और 501 से 1000 मीटर के बीच दृश्यता होने पर कोहरे को हल्का माना जाता है। सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 114 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो बीते 22 दिन में सबसे अधिक है। तापमान में वृद्धि आसमान में बाद छाए रहने के कारण हुई है। उत्तरपश्चिमी भारत को प्रभावित करने वाले पश्चिम विक्षोभ के कारण रविवार को यहां तेज बारिश हुई। सफदरजंग वेधशाला में शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे से लेकर रविवार दोपहर ढाई बजे तक 399 मिली बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कहा कि सोमवार तथा मंगलवार को भी बारिश हो सकती है। एक अधिकारी ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण पहाड़ों में बर्फबारी हो रही है। इसके बंद होने के बाद तापमान फिर गिरकर चार से पांच डिग्री सेल्सियस के आसपास आ जाएगा। शुक्रवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस हो गया था जो बीते 15 वर्षों में सबसे कम था। बेहद घने कोहरे के कारण दृश्यता गिरकर शून्य मीटर हो गई थी। इससे पहले आठ जनवरी 2006 को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 02 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था राजधानी में अभी तक का सबसे कम तापमान जनवरी 1935 में 06 डिग्री से दर्ज किया गया था।

ट्रंप ने जॉर्जिया के चुनाव प्रमुख पर वोट तलाशने का बनाया था दबाव

अटलांटा वेबवार्ता। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्जिया के चुनाव प्रमुख से राज्य में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन की जीत का फैसला बदलने और उनकी जीत के लिए वोट तलाशने की अपील की थी । टेलीफोन पर की गई बातचीत की एक टेप सामने आने पर यह खुलासा हुआ है। ट्रंप ने हालांकि बाद में ट्वीट करके जॉर्जिया के राज्य सचिव एवं रिपब्लिकन ब्रैड राफेनसपर्गर से बातचीत करने की जानकारी दी।वाशिंगटन पोस्ट ने बातचीत की यह टेप ऑनलाइन जारी की थीएजो बाद में एपी को भी मिली। ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद एक बार फिर राज्य अधिकारियों पर नतीजे बदलने को लेकर दबाव बनाने का यह ताजा मामला है। वह भी ऐसे समय में जब दो सप्ताह में बतौर राष्ट्रपति उनका कार्यकाल खत्म होने वाला है। अपनी हार स्वीकार ना कर रहे ट्रंपष्टेप में राफेनसपर्गर को कहते सुनाई दे रहे हैंष् मैं बस इतना चाहता हूं। मैं 11780 वोट चाहता हूं जो हमें हासिल वोट से एक अधिक है। क्योंकि हमने राज्य में जीत दर्ज की है। जॉर्जिया ने तीन नवम्बर को हुए चुनाव में 11779 वोटों के साथ बाइडन को विजेता घोषित किया है। व्हाइट हाउस को रविवार को इस संबंध में किए गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला है। वहीं राफेनसपर्गर को इस संबंध में भेजे संदेश मैसेज का भी कोई जवाब नहीं आया। ट्रंप लगातार ट्वीट करके राफेनसपर्गर पर निशाना साधते रहे हैं। उन्होंने दावा किया है कि बिना किसी सबूत के 16 इलेक्टोरल वोट गलत तरीके से बाइडन को दे दिए गए। ट्रंप ने ट्वीट कियाष्उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। राज्य के अधिकारी उन सभी सवालों के जवाब देने को अनिच्छुक या असमर्थ हैं। राफेनसपर्गर ने इसके जवाब में ट्वीट किया सम्मानपूर्वकए राष्ट्रपति ट्रंप आप जो कह रहे हैं वह सच नहीं है। सच जरूर सामने आएगा।

मुरादनगर मशान घाट हादसाः मृतकों की संख्या 24 हुई तीन अधिकारी गिरफ्तार

गाजियाबाद वेबवार्ता। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद जिले के मुरादनगर में श्मशान घाट पर हुए हादसे में मारे गए लोगों की संख्या 24 हो गयी है। इस बीच पुलिस ने इस मामले नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी ईओ निहारिका सिंह कनिष्ठ अभियंता सीपी सिंह और सुपरवाइजर आशीष समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है जबकि ठेकेदार अजय त्यागी तथा अन्य फरार बताये गये हैं। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ ईरज राजा के मुताबिक पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है तथा तीनों को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि रविवार को तेज बारिश के कारण मुरादनगर में बंबामार्ग पर स्थित श्मशान घाट परिसर की छत और दीवार गिर गयी। घटना के समय श्मशान घाट पर अंत्येष्टि हो रही थी और इस दौरान वहां एकत्र 40 से अधिक लोग मलबे में दब गये। हादसे में 24 लोगों की मौत हो गयी है और कई अन्य घायल हुए हैं।

बिहार जा रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटी, दो की मौत

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के खड्डा थाना क्षेत्र के रामपुर गोनहा गांव के पास महराजगंज की तरफ से बिहार जा रही ईंट भरी ट्रैक्टर ट्राली पलट गई। इसमें दबकर दो लोगों की

मौत हो गई। जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, रामपुर गोनहा गांव के पास रेलवे क्रासिंग से कुछ दूरी पर खड्डा सिसवा मार्ग पर रविवार की देर रात महराजगंज की तरफ से ईंटों से लदी ट्रैक्टर ट्राली लेकर बिहार के ग्राम सेमरा निवासी चालक व एक सहयोगी अपने गांव लौट रहे थे। इस दौरान ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। इसमें दबकर चालक व उसके सहयोगी की मौके पर ही मौत हो गई। सोमवार की सुबह स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची खड्डा पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद दोनों शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतकों की पहचान चालक हीरा (40) व सहयोगी अजय (40) ग्राम सेमरा थाना लौकरिया, बगहा विहार के रूप में हुई है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है।

कुशीनगर में ईंट भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटी,दो मरे

कुशीनगर, (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जिले के खड्डा क्षेत्र में महराजगंज जिले से पड़ोसी प्रांत बिहार जा रही ईंट भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटने से दो लोगों की मृत्यु हो गई। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि रामपुर गोनहा गांव के पास रेलवे क्रासिंग से कुछ दूरी पर खड्डा सिसवा मार्ग पर रविवार की देर रात महराजगंज की तरफ से ईंटों से लदी ट्रैक्टर ट्राली लेकर बिहार के ग्राम सेमरा निवासी दो लोग अपने गांव लौट रहे थे।

इस दौरान ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। सोमवार सुबह स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची खड्डा पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद दोनों शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतकों की पहचान चालक हीरा (40) और सहयोगी अजय (40) ग्राम सेमरा थाना लौकरिया, बगहा विहार के रूप में हुई है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है।

किसान प्रदर्शन दिल्ली में कई मार्ग बंद

नई दिल्ली वेबवार्ता। केन्द्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ जारी प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली को गाजियाबाद और नोएडा से जोड़ने वाले गाजीपुर और चिल्ला बॉर्डर सोमवार को बंद हैं। यातायात पुलिस ने लोगों से आनंद विहार डीएनडी भोपुरा और लोनी बॉर्डर से होकर दिल्ली आने का सुझाव दिया है। विवादित कृषि कानूनों को वापस लेने एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी की कानूनी गारंटी को लेकर विभिन्न राज्यों के किसान दिल्ली से लगी सीमाओं पर पिछले 40 दिन से डटे हैं। इन किसानों को रविवार सुबह काफी परेशनी का सामना भी करना पड़ा था क्योंकि रातभर हुई बारिश के कारण उनके तंबूओं में पानी भर गया था और ठंड से बचने के लिए जिन लकड़ियों का इस्तेमाल वे आग जलाने के लिए कर रहे थे वे भीग गईं और उनके कम्बल भी गीले हो गए थे। हालांकि किसानों ने कहा कि इससे उनकी हिम्मत नहीं टूटेगी और उनकी मांगे पूरी होने तक प्रदर्शन जारी रखेंगे। किसान पिछले साल नवम्बर से दिल्ली की कई सीमाओं पर डटे हैं और यातायात पुलिस के अधिकारी लगातार ट्विटर पर लोगों को बंद एवं परिवर्तित मार्गों की जानकारी दे रहे हैं। यातायात पुलिस ने सोमवार को सिलसिलेवार ट्वीट में बताया कि सिंघू औचंदी प्याऊ मनियारीए सबोली और मंगेश बॉर्डर बंद हैं। उसने कहा कृपया लामपुर सफियाबाद पल्ला और सिंघू स्कूल टोल टैक्स बार्डर से होकर जाएं। मुकरबा और जीटेके रोड पर भी यातायात परिवर्तित किया गया है। आउटर रिंग रोड जीटीके रोड और एनएच 44 पर जाने से भी बचें। उसने ट्वीट किया चिल्ला और गाजीपुर बॉर्डर नोएडा तथा गाजीपुर से दिल्ली आने वाले लोगों के लिए बंद है। कृपया आनंद विहार डीएनडी अप्सरा भोपुरा और लोनी बॉर्डर से होकर दिल्ली आएं। उसने कहा कि टिकरी ढांसा बॉर्डर पर यातायात पूरी तरह बंद है। यातायात पुलिस ने कहा झटीकरा बॉर्डर केवल हल्के वाहनों दो पहिया वाहनों और राहगीरों के लिए खुला है। उसने कहा कि हरियाणा जाने के लिए झाड़ोदा वन सिंगल कैरिजवे दौराला कापसहेड़ा रजोकरी एनएच 8 बिजवासन बजघेड़ा पालम विहार और डूंडाहेड़ा बॉर्डर खुले हैं। इस साल सितम्बर में अमल में आए तीनों कानूनों को केन्द्र सरकार ने कृषि क्षेत्र में बड़े सुधार के तौर पर पेश किया है। उसका कहना है कि इन कानूनों के आने से बिचौलिए की भूमिका खत्म हो जाएगी और किसान अपनी उपज देश में कहीं भी बेच सकेंगे। दूसरी तरफ प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों का कहना है कि इन कानूनों से एमएसपी का सुरक्षा कवच खत्म हो जाएगा और मंडियां भी खत्म हो जाएंगी तथा खेती बड़े कारपोरेट समूहों के हाथ में चली जाएगी। सरकार लगातार कह रही है कि एमएसपी और मंडी प्रणाली बनी रहेगी और उसने विपक्ष पर किसानों को गुमराह करने का आरोप भी लगाया है।

पूर्व प्रधान के बेटे ने खुद को गोली से उड़ाया, परिवार में चल रहा था विवाद

लखनऊ। लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र के खंदक गोयरा गांव में पूर्व प्रधान हरिराम यादव के 40 वर्षीय बेटे शिवराज ने खुद को गोली से उड़ा लिया। गोली की आवाज सुनकर हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, पारिवारिक विवाद में शिवराज ने सुसाइड किया है। प्रभारी निरीक्षक धनंजय पांडेय के मुताबिक, पूर्व प्रधान हरि नाम के तीन बेटे हैं। शिवराज, देशराज और हंसराज। सोमवार सुबह शिवराज यादव ने घर के बाहर खड़ी चार पहिया वाहन में बैठकर लाइसेंसी असलहे से खुद को गोली मार ली जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। गोली की आवाज सुनकर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती पड़ताल में जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक शिवराज के परिवार में विवाद चल रहा था। इसी अवसाद में उसने खुद को गोली से उड़ा लिया। उसके परिवार में पत्नी व दो बच्चे हैं।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, 8960775784 Email: avadhkiaawaz@gmail.com
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।